B.A Part-II Philosophy वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरी

दर्शनशास्त्र विभाग
डॉ० अनीता कुमारी गुप्ता
जे० के० कॉलेज बिरौल दरभंगा।

1. आधुनिक दार्शनिक प्रणाली का पिता माना जाता है:-
Ans:- देकार्त

2. दर्शन के क्षेत्र में बैज्ञानिक प्रणाली के जन्मदाता है:-
Ans:- देकार्त

3. वस्तुवादी दार्शनिक है:-
Ans- देकार्त

4. देकार्त का सापेक्ष पदार्थ है—
Ans- मन और शरीर

5. देकार्त ने विश्व में स्वीकार किया है:-
Ans:- यांत्रिक गति को

6. देकार्त ने पाश्चात्य प्रक्रियाओं की व्याख्या की है:-
Ans:- आत्म संचालनवाद के द्वारा

7. देकार्त का दर्शन है:-
Ans:- द्वैतवादी

8. 'प्लेटो और अरस्तु को पढ़कर हम दार्शनिक नहीं बन सकते यदि हम स्वतंत्र निर्णय न ले सके'; यह कथन है
Ans:- रेने देकार्त

9. देकार्त ने मन एवं शरीर की व्याख्या की है:—
Ans:- क्रिया-प्रतिक्रिया के द्वारा

10. दर्शन के क्षेत्र में निर्विवाद तथा निस्सन्देह सत्य की प्राप्ति किसी सबसे बड़ी समस्या है:—
Ans:- देकार्त

11. देकार्त के अनुसार सत्यता एवं असत्यता के प्रश्न का संबंध निर्णय से है तथा निर्णय निर्भर करता है।
Ans:- बुद्धि एवं संकल्प पर

12. निर्णय में ही सत्यता एवं असत्यता का प्रश्न निहित है कहा है:—
Ans:- रसेल

13. निर्णय में वस्तुबोध तथा भावना की प्राप्ति बुद्धि से होती है तथा संकल्प के आधार पर होता है:—
Ans:- विधान या निषेध